अमर उजाला 17/05/2023

हिंदी सिनेमा को युवा पीढ़ी मानती है आदर्श

अंबाला सिटी। जीएमएन कॉलेज के हिंदी विभाग एमओयू राष्ट्र भाषा विचार मंच की ओर से हिंदी सिनेमा और युवा पर सामूहिक चर्चा की गई। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. रोहित दत्त ने बताया कि हिंदी सिनेमा को युवा और नवीन पीढ़ी अपना आदर्श मानती है, इसलिए सिनेमा की भूमिका सकारात्मक और प्रेरणात्मक होनी चाहिए। कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेंद्र देसवाल ने बताया कि हिंदी सिनेमा अथवा टेलीविजन के नाटक युवाओं की मानसिकता को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी भूमिका आक्रामक एवं हिंसक नहीं होनी चाहिए। विभागाध्यक्ष डॉ. रितु गुप्ता ने बताया कि हिंदी साहित्य का फिल्मीकरण पिछले कई दशक से होता आ रहा है और वह सभी पात्र किसी न किसी आदर्श की स्थापना करते नजर आते हैं। संवाद